आर.पी.एस. अधिकारी एक करोड़ रुपए वसूली के आरोप में गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । महेश नगर थाना पुलिस ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.पी.एस.) अधिकारी रितेश पटेल को एक करोड़ रुपये की वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरपीएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति को धमकाकर एक करोड़ रु. की मांग की और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर तैयार कर भेजी। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक करोड़ रुपए की मांग में से 25 लाख रुपये नकद और 25 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी हुई है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि एसओजी की फर्जी एफआईआर तैयार कर शिकायतकर्ता को भेजने और रुपये मांगने का आरोप है।

महेश नगर थाना पुलिस ने एपीओ (अटैच्ड पुलिस ऑफिसर) चल रहे आरपीएस अधिकारी रितेश पटेल को उनके केसर चौराहा स्थित घर से गिरफ्तार किया।

आर.पी.एस. रितेश पटेल

- **आरपीएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति को धमकाकर एक करोड़ रु. की मांग की और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर तैयार कर भेजी।**
- **शिकायतकर्ता का कहना है कि एक करोड़ रुपए की मांग में से 25 लाख रुपये नकद और 25 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए गए।**

पुलिस का कहना है कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरपीएस रितेश पटेल ने धमकी देकर एक करोड़ रुपये मांगे और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर बनाकर भेजी। पुलिस अब आरोपित आरपीएस से गहन पूछताछ कर रही है।

आरोपित रितेश पटेल 2019 बैच के आरपीएस अधिकारी है। वह बजरी लेनदेन के एक मामले में पहले से एपीओ चल रहे है।

बजरी के ट्रैक्टर छोड़ने का बनाया था दबाव

गंगापुर सीआई फूलचंद ने साल 2024 में आशाहोली गांव के पास अवैध बजरी भरकर ले जा रहे दो ट्रैक्टर पकड़े थे। ट्रैक्टरों को थाने लाकर खड़ा करवाया था। सीआई ने इस कार्रवाई से उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया था। दोनों ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन भी नहीं था। इनके चेसिस नंबर पर भी जून 2024 की मैन्युफैक्चरिंग डेट लिखी हुई था। माना जा रहा था कि ट्रैक्टर मालिक ने खरीदने के बाद आरटीओ ऑफिस में रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया था।

तब तत्कालीन डीएसपी रितेश पटेल थाने पहुंचे थे। डीएसपी ने दोनों ट्रैक्टरों को छुड़वाने की कोशिश की थी, परंतु सीआई ने उनकी बात नहीं मानी। इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। सोशल मीडिया पर भी मामला काफी छाया रहा था। इसके बाद रितेश पटेल को एपीओ कर दिया था।

कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच चल रही है कि आरोपित आरपीएस अधिकारी ने कितने रुपये लिए गए और कैसे लिए गए। इसकी पड़ताल की जा रही है। इसके अलावा जांच पूरी होने के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित आरपीएस को पुलिस रिमांड पर लेकर आगे पूछताछ होगी।

सड़क हादसे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत

जयपुर । कोटखावदा इलाके में स्थित जयपुर-टोंक हाईवे (एनएच-52) कोटखावदा पुलिया पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूल जा रहे एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत हो गई। दुर्घटना थाना इंचार्ज रामरतन चौधरी ने बताया कि मृतक की पहचान चाकसू निवासी 45 वर्षीय हेमराज गोस्वामी के रूप में हुई है। जो ठीकरिया मीणान गांव स्थित सरकारी स्कूल में फोर्थ ग्रेड कर्मचारी के पद पर कार्यरत था और बुधवार सुबह बाइक से स्कूल जा रहे थे। पुलिस के अनुसार हाईवे पर लघुशंका के लिए रुकने के बाद हेमराज गोस्वामी जैसे ही दोबारा बाइक पर बैठने की तैयारी कर रहे थे। तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की सहायता से घायल को चाकसू उप जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के साले राजेश गोस्वामी ने बताया कि हेमराज गोस्वामी के दो बेटे और एक बेटी हैं।

जयपुर में आर्मी-डे परेड पर 6 वर्ग कि.मी. इलाका होगा सील

सुरक्षा के लिए कमांडो-आरएसी-पैरामिलिट्री होगी तैनात

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में स्थित महल रोड पर 15 जनवरी 2026 को होने वाली आर्मी-डे परेड को लेकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। बॉम्बे हॉस्पिटल से अक्षय पात्र तक फैले करीब 6 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पूरी तरह से सील करने की तैयारी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए इस इलाके में रहने और काम करने वाले पचपन हजार से अधिक लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन किया गया है।

इसके लिए 300 पुलिसकर्मियों की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। सुरक्षा को तीन स्तरों में विभाजित किया गया है। बाहरी घेरा पुलिस और आरएसी संभालेगी, मध्य घेरा पैरामिलिट्री फोर्स के जिम्मे रहेगा, जबकि सबसे अंदरूनी सुरक्षा की कमान सीधे भारतीय सेना के हाथों में होगी।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से आर्मी डे परेड की नियमित रिहर्सल शुरू होगी। इसके मद्देनजर सुरक्षा का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। बाहरी सुरक्षा के लिए आरएसी की दो कंपनियां तैनात की गई हैं। मध्य सुरक्षा घेरा पैरामिलिट्री फोर्स संभालेगी, जबकि अंतिम और सबसे संवेदनशील घेरे की जिम्मेदारी सेना के पास रहेगी। एडिशनल कमिश्नर (कानून व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि कॉलोनी विकास समितियों, मॉल प्रबंधन और व्यापार संघों के साथ बैठक कर सख्त निर्देश दिए गए हैं। रिहर्सल के दौरान क्षेत्र में पतंग उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और पूरा इलाका नो-ड्रोन जोन घोषित किया गया है। नए किराएदारों, घरेलू सहायकों और दुकानों के कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य किया गया है। इस कार्य की मॉनिटरिंग एडिशनल डीसीपी आलोक सिंघल द्वारा किया जा रहा है। वहीं एसीपी सांगानेर हरिशंकर शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीमें रोजाना फ्लैग मार्च निकाल कर माइक के जरिए लोगों को सुरक्षा नियमों के पालन और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए जागरूक किया जा रहा है। परेड रूट के आसपास स्थित सभी ऊंची इमारतों को विशेष निगरानी में रखा गया है। इन इमारतों पर लाल झंडे लगाकर मार्किंग की जाएगी। साथ ही छतों पर सेना के कमांडो तैनात रहेंगे। जो दूरबीन और स्नाइपर के माध्यम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे।

- **बाहरी घेरा पुलिस और आरएसी संभालेगी, मध्य में पैरामिलिट्री, अंतिम सुरक्षा सेना के हाथ में**
- **ऊंची इमारतों पर कमांडो, नो-ड्रोन जोन, पतंगबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध**

15 लाख की ड्रग्स के साथ विदेशी नागरिक सहित पांच गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत नशे के सौदागरों पर बड़ा प्रहार करते हुए पन्द्रह लाख रुपये की अवैध मादक पदार्थ जब्त कर एक विदेशी नागरिक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक, एमडी ड्रग्स, कोकीन, नशीली गोलियां और एक कार बरामद की गई है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने बगरू,शिवदासपुरा और कानोता थाना इलाके में संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से जयपुर आ रहे विदेशी नागरिक ऑगस्टीन एग्बो (27) निवासी एनुगू (नाइजीरिया) हाल फरीदाबाद (हरियाणा),संगीता सांसी

उर्फ मोगली(30) निवासी रामगंज जिला अजमेर, अब्दुल गफ्फार खान (30) निवासी माधोराजपुरा जयपुर, आरिफ मोहम्मद (26) निवासी माधोराजपुरा जयपुर ग्रामीण और विजय सोलंकी निवासी माधोराजपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 179.09 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक,12.26 ग्राम एमडी ड्रग्स (क्रिस्टल),27.17 ग्राम कोकीन, 81 मिलीग्राम (2 टैबलेट) नशीली गोलियां सहित एक चौपहिया वाहन भी बरामद किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि नाइजीरियन नागरिक के पास से वैध पासपोर्ट व वीजा नहीं मिला है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ऑपरेशंस) राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के सुपरविजन में तीनों थाना क्षेत्रों में अलग-अलग की गई है।

- **स्मैक, एमडी ड्रग्स, कोकीन, नशीली गोलियां और कार बरामद**
- **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगरू, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

पुलिस तंत्र को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और तकनीक-सक्षम बनाएंगे : राजीव शर्मा

जयपुर । पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने वर्ष 2026 के लिए राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जन-सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और जनविश्वास को केंद्र में रखते हुए पुलिस तंत्र को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाएगा।

डी.जी.पी. राजीव शर्मा ने बताया कि अपराध संबंधी प्राथमिकताओं के अंतर्गत संगठित अपराध के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक कार्यवाही की जाएगी। महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्गों के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी, जिसमें त्वरित कार्रवाई और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

44 पुलिस निरीक्षकों को मिला आर.पी.एस. कैडर

जयपुर । राजस्थान सरकार ने राजस्थान पुलिस के 44 पुलिस निरीक्षकों को नए साल पर तोहफा देते हुए उन्हें आरपीएस अधिकारी के रूप में पदोन्नित किया है। सरकार की विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश के आधार पर गृह (ग्रुप-1) विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इसमें जयपुर ग्रामीण के चौमू थाने के थानाधिकारी प्रदीप शर्मा का भी नाम शामिल है। थानाधिकारी प्रदीप शर्मा हाल ही में चौमूं में मस्जिद के बाहर पत्थरबाजी मामले को लेकर चर्चा में आए थे। उनको लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि प्रदीप शर्मा चुनाव लड़ने की फिराक में हैं। प्रदीप शर्मा अब आरपीएस रैंक के अधिकारी बन गए हैं।

गृह (ग्रुप-1) विभाग के संयुक्त सचिव आनंदीलाल वैष्णव की ओर से बुधवार को जारी आदेश के अनुसार पुलिस निरीक्षक देवेंद्र प्रताप वर्मा, मदनलाल, राजेंद्र बाफना, अचलदान रत्नू, पुरुषोत्तम महरिया, बनवारी लाल मीणा, बाबूलाल मीणा, रामनिवास मीणा, अजयकांत रतूड़ी और रविंद्र कुमार को आरपीएस अधिकारी के पद पर पदोन्नित मिली है। इसी प्रकार पुलिस निरीक्षक मुकेश शर्मा, धर्मेंद्र पेवा, बाबूलाल चौधरी, सरोज धायल, शिखा विश्नोई, बुद्धाराम, छत्तर सिंह, देरावर सिंह, राजेंद्र कुमार शर्मा, राजेश यादव, राजकुमार टेलर, निशा भटनागर, घनश्याम शर्मा, लक्ष्मीनारायण, दिनेश कुमार, निरंजन प्रताप सिंह, श्याम सिंह रत्नू, महावीर सिंह यादव, वीरेंद्र कुमार, रणजीत सिंह, अशोक चौधरी, रविंद्र प्रताप, मांगीलाल विश्नोई, नरेंद्र कुमार , प्रदीप कुमार शर्मा, राजीव भादू, नरपत सिंह, लक्ष्मण राम विश्नोई, आनंद कुमार, दुर्गाप्रसाद दाधीच, नवनीत बिहारी व्यास, परवेज आलम सैयद, अनिल कुमार मूंड और लाखन सिंह खटाना को आरपीएस के पद पर पदोन्नित दी गई है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के तहत पदोन्नत सभी इंस्पेक्टर अग्रिम आदेश तक वर्तमान पद पर काम करते रहेंगे। गौरतलब है कि विभागीय पदोन्नित समिति की बैठक 2 दिसंबर 2025 को हुई थी और इस समिति की अनुशंसा पर गृह विभाग ने आदेश जारी कर इन अधिकारियों को पदोन्नत किया गया।

अवैध खनन पर 14 एफआईआर, एक गिरफ्तारी और 28 लाख रु. का जुर्माना वसूलने की कार्रवाई

- **अभियान के तहत 2 दिन में 12 एक्सक्वेटर, 137 वाहन व 7028 टन खनिज जब्त किया**
- **अलवर के पलियाना में निजी कंपनी द्वारा अवैध खनन पर 73 लाख रुपये का जुर्माना वसूलने समेत अन्य कार्रवाई में जुटी विभागीय टीम**

जयपुर । अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के 20 जिलों में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ चलाये जा रहे संयुक्त अभियान में पलियाना में अलवर सिक्सलेन निर्माण कार्य कर रही कंपनी द्वारा अवैध खनिज मिट्टी खनन पर जयपुर अधीक्षण अभियंता एनएस शक्तावत की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 73 लाख रुपए से अधिक के जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। टोंक में भी रेल्वे ट्रेक के लिए काम कर रही निजी कंपनी द्वारा अवैध खनिज मिट्टी खनन कार्रवाई पर एक एक्सक्वेटर 4 डंपर जब्त किये हैं। नागौर के एमई श्री जय गोदारा द्वारा रियाबड़ी में दो ट्रेक्टर बजरी के व खींवसर में दो डंपर चेजा पत्थर का अवैध परिवहन करते हुए जब्त करते हुए करीब 3.50 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

जोधपुर के बड़ली क्षेत्र में खनिज सेंड स्टोन के क्वारी लाइसेंस के 40 हैक्टेयर क्षेत्र में अधीक्षण खनि अभियंता डॉ. देवेन्द्र गौड की टीम द्वारा ड्रोन सर्वे करवाया गया है। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ संबंधित जिलों में संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई जारी है।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि अरावली पर्वतमाला क्षेत्र के जिलों में 29 दिसंबर से अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जिला कलक्टरों द्वारा गठित संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों से जारी अभियान के दौरान दो दिन में ही उल्लेखनीय कार्रवाई करते हुए 150 से अधिक उपकरणों और वाहनों की जब्ती की जा चुकी है। अभियान के दौरान दो दिन में ही 155 से अधिक कार्रवाई कर 12 एक्सक्वेटर/जेसीबी/क्रेन व 137 डंपर-ट्रेक्टर आदि जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किये जा चुके हैं। 7 हजार टन से अधिक अवैध भंडारित खनिज की जब्ती के साथ ही करीब 30 लाख जुर्माना राशि राजकोष में वसूल की गई है। दो दिन में पुलिस थानों में 14 एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है।

अभियान के दौरान दो दिनों में सर्वाधिक कार्रवाई जयपुर एमई श्री श्याम कापड़ी की टीम द्वारा करते हुए 27 कार्रवाई में दो एक्सक्वेटर सहित 27 वाहन की जब्ती व 4 एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। उदयपुर टीम द्वारा सर्वाधिक 4 एक्सक्वेटर 1 वाहन और 4167 टन अवैध भण्डारित खनिज की जब्ती की गई है। भीलवाड़ा एमई श्री महेश शर्मा और पाली एमई व उनकी टीम द्वारा 16-16 कार्रवाई करते हुए वाहनों की जब्ती व खनिज जब्त किया गया है। अजमेर व ब्यावर में 10-10 कार्रवाई करते हुए क्रमशः 5 और 11 वाहनों की जब्ती व दोनों स्थानों पर मिलाकर 6 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला जा चुका है। निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि अभियान के दौरान संबंधित सभी जिलों में संयुक्त जांच दल द्वारा कार्रवाई जा रही है। मुख्यालय स्तर पर अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस डॉ. धर्मेन्द्र लोहार द्वारा समन्वय किया जा रहा है।

जनगणना-2027 के लिए जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हुईं

जयपुर । जनगणना-2027 को लेकर जयपुर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बुधवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित एक दिवसीय शिविर में जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में प्रशासनिक इकाइयों की सूची एवं नक्शों के सत्यापन हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य राष्ट्रिहत से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है, जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि जनगणना-2027 दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण मई से जून 2026 के मध्य एक माह की अवधि में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना के रूप में आयोजित किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण फरवरी-मार्च 2027 में जनसंख्या गणना की जाएगी। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि वर्ष 2011 के बाद नवगठित राजस्व ग्राम, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, नगर पालिका, नगर निगम जोन सहित सभी प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं एवं नक्शों का गहन सत्यापन किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। कलक्टर ने सभी आयुक्त नगर परिषद एवं नगर जनगणना अधिकारी, जोन उपायुक्त एवं चार्ज जनगणना अधिकारी, तहसीलदार तथा अधिशासी अधिकारियों को तत्काल 'जनगणना सेल' का गठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए समयबद्ध तैयारियां पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। शिविर में जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की टीम द्वारा बताया गया कि जनगणना-2027 पूर्णतः डिजिटल एवं पेपरलेस होगी। इस बार डेटा संकलन के लिए पेपर अनुसूचियों के स्थान पर मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक और पारदर्शी होगी। अधिकारियों को तकनीकी तैयारी एवं फील्ड लेवल प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि इस बार प्रश्नावली में समयानुसार बदलाव किए गए हैं और नागरिकों से कुल 33 प्रकार की जानकारियां ली जाएंगी। इनमें परिवार के खान-पान की आदतें, घर में उपलब्ध डिजिटल संसाधन जैसे इंटरनेट, कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन तथा जीवन स्तर से जुड़ी जानकारियां- वाहन, मकान की संरचना, पेयजल स्त्रोत, शौचालय एवं रसोई में उपयोग होने वाले ईंधन आदि शामिल हैं।

सैलानियों के लिए आकर्षण बने नाहरगढ़ जैविक उद्यान की टाइगर-लायन सफारी

वर्ष 2025 में 3.73 लाख से अधिक पर्यटकों ने किया वन्यजीवों का दीदार

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में स्थित नाहरगढ़ जैविक उद्यान पर्यटन के मानचित्र पर तेजी से उभरते हुए राज्य के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। जयपुर भ्रमण पर आने वाले देशी-विदेशी सैलानियों के लिए नाहरगढ़ जैविक उद्यान के साथ-साथ यहां संचालित टाइगर एवं लायन सफारी विशेष आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। प्राकृतिक हरियाली के बीच वन्यजीवों को उनके स्वाभाविक परिवेश में देखने का अनुभव पर्यटकों को रोमांच और आनंद से भर देता है।

सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 की अवधि में नाहरगढ़ जैविक उद्यान एवं सफारियों के माध्यम से कुल 3 लाख 73 हजार 869 देशी-विदेशी पर्यटकों ने वन्यजीवों का दीदार किया। इस दौरान विभाग द्वारा 2 करोड़ 36 लाख 3 हजार 620 रुपये का उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया गया, जो उद्यान की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में नाहरगढ़ जैविक उद्यान में 3 लाख 39 हजार 433 पर्यटक पहुंचे, जबकि 18 हजार 831 पर्यटकों ने लायन सफारी एवं 15 हजार 605 पर्यटकों ने टाइगर सफारी का आनंद लिया। दोनों ही सफारियां पर्यटन सीजन के दौरान जयपुरवासियों सहित बाहर से आने वाले सैलानियों के लिए प्रमुख आकर्षण बनी हुई हैं। शहर के समीप स्थित यह जैविक उद्यान प्राकृतिक सौंदर्य, हरियाली

और वन्यजीवों का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यहां परिवार के साथ भ्रमण करने वाले पर्यटकों को न केवल मनोरंजन बल्कि वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भी संदेश मिलता है।

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में नाहरगढ़ जैविक उद्यान में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ और रेंज अधिकारी शुभम शर्मा द्वारा नियमित रूप से सफारियों की सघन मॉनिटरिंग कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा हैरेंज अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन, भीड़ नियंत्रण, टिकटिंग व्यवस्था, वाहन सुविधा, दिशा-निर्देश एवं स्वच्छता प्रबंधन को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है, जिससे पर्यटकों को सुगम और सुरक्षित अनुभव मिल सके। वन विभाग की सतत निगरानी, प्रभावी प्रबंधन एवं सुविधाओं के निरंतर विस्तार के परिणामस्वरूप नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के सर्वाधिक लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है। यह स्थल न केवल पर्यटन और राजस्व संवर्धन का माध्यम बन रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और जन-जागरूकता का भी सशक्त प्रतीक बनकर उभर रहा है।

सार-समाचार

डॉ. राजेश शर्मा राष्ट्रीय सदस्य निर्वाचित

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा को भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद (आईपीएसए) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य निर्वाचित किया गया है। यह निर्वाचन 62वें वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़ भुवनेश्वर (ओडिशा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण अधिवेशन में देश के सभी क्षेत्रों से लगभग 2000 राजनीति विज्ञान के विद्वानों एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता की। डॉ. शर्मा को अकादमिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में दीर्घ और समृद्ध अनुभव प्राप्त है। वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की अनेक शैक्षिणक और अकादमिक संस्थाओं में अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों की बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज़ में सदस्य एवं संयोजक के रूप में सेवाएँ दी हैं।

खिलाड़ियों से मिलीं 'उदयन' की बच्चियां

जयपुर । एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने कोलकाता के 'उदयन एनजीओ' की पाँच युवा लड़कियों के लिए एक विशेष 'मीट एंड ग्रीट' का आयोजन किया। एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापत्तनम में आयोजित इस कार्यक्रम ने इन बच्चियों को राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों के साथ आमने-सामने बातचीत करने का एक दुर्लभ और प्रेरणादायक अवसर प्रदान किया। उदयन एनजीओ की इन पाँच लड़कियों सुपर्णा महतो (9), एंजेल बाउरी (10), रोशनी कर्मकार (10), मिनाती बास्के (10) और अनुराधा मांडी (11) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों हरमनप्रीत कौर, स्नेह राणा, शेफाली वर्मा और हरलीन देओल शामिल थीं, के साथ एक यादगार दिन बिताया। एसबीआई लाइफ और बीसीसीआई द्वारा सुलभ कराए गए इस मंच पर इन बच्चियों ने दिग्गज क्रिकेटरों के साथ प्रैक्टिस नेट्स में भी कदम रखा। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सीएसआर रवींद्र शर्मा ने कहा, एसबीआई लाइफ में हमारा मानना है कि वास्तविक सशक्तिकरण केवल वित्तीय सुरक्षा तक सीमित नहीं है, यह सपनों को संजोने, आत्मविश्वास बढ़ाने और साहस को प्रेरित करने के बारे में है। उदयन के निदेशक के.एल. जॉर्ज ने कहा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस उदयन के बच्चों के लिए लंबे समय से समर्थक रहा है।

जयपुर रिंग रेल परियोजना का काम त्वरित गति से शुरु हो : मंजू शर्मा

सांसद मंजू शर्मा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र सौंपकर जयपुर में रेलवे सुविधाएं बढ़ाने का आग्रह किया

सांसद मंजू शर्मा ने रेल मंत्री को मांग पत्र सौंपा।

जयपुर (कासं)। जयपुर लोकसभा जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर जयपुर रिंग रेलवे परियोजना को मूर्तरूप देने और इसका काम त्वरित गति से शुरु कराने अनुरोध किया है। उन्होंने रेल मंत्री को एक पत्र सौंपते हुए कहा कि, केंद्र औऱ राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से इस परियोजना के जरिए जयपुर के विकास को नई दिशा मिलेगी। सड़क नेटवर्क और रिंग रोड के साथ यह रिंग रेलवे परियोजना जयपुर के दीर्घकालीन विकास में मिल का पत्थर साबित होगी।

सांसद मंजू शर्मा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बताया कि जयपुर की आबादी लगभग 60 लाख के आसपास पहुँच गई है। पर्यटन स्थल के साथ प्रदेश की राजधानी तथा प्रदेश का प्रमुख आर्थिक, औधोगिक, व्यापारिक केंद्र होने से यहां यातायात भारी दबाव है जो लगातार बढ़ता जा रहा है। बाहरी इलाका कई उपनगरों के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में इस रेल रिंग परियोजना से शहर के इन बाहरी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को नई गति मिलेगी। लॉजिस्टिक और व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी, शहर में भीड़ और यातायात का दबाव कम होगा, ट्रैफिक जाम में कमी आएगी, शहर के मुख्य रेलवे स्टेशनों पर भी दबाव घटेगा। इस नए रेलमार्ग पर बनने वाले रेलवे स्टेशनों से मालगाड़ियों को गुजरा जाएगा वहीं यहां से ट्ययूरिस्ट स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी किया जा सकेगा। मंजू शर्मा का कहना है कि, जयपुर रिंग रेल परियोजना दो- तीन चरणों में पूरी होगी। यह जयपुर के 2050 के मास्टर प्लान को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है । यह रिंग रोड के समानांतर कहीं 200-300 मीटर तो कही दो- तीन किलोमीटर दूरी पर होगी। इससे रिंग रोड और रिंग रेल के आसपास प्रॉपर्टी के दाम बढ़ेंगे।

नई टाउनशिप भी विकसित होगी । इस परियोजना के पहले फेज में कुल 13 नए रेलवे स्टेशन विकसित किए जाएंगे। इनमें कानारवास, गोनेर, प्रह्लादपुरा, शिवदासपुरा, सुखदेवपुरा, वाटिका, सांगानेर रोड, नेवटा, कलवाड़ा, बगरू, बेगस और बोबास स्टेशन तैयार होंगे। इससे आउटर एरिया की कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

- **पहले फेज में विकसित होंगे 13 नए रेलवे स्टेशन, दो-तीन चरणों मे पूरी होगी परियोजना**